SHRI SURJIT SINGH BARNALA: As I have mentioned earlier, we will look into the matter If it is being done, then we will take every step to prevent it

DR VASANT KUMAR PANDIT Is it bovine cattle ?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Bovine cattle

MR SPEAKER Bovine cattle also he will look into

श्री मोतीभाई ग्रार० चौधरी क्या माननीय मत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि महसानी भैंस की एक अच्छी नस्ल है जो मुर्रा और सुरती के क्रोसब्रीड से निकली है इसके सुधार की योजना है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला महसानी के लिए हमारे पास दो सेण्टर है । एक यूनिवर्सिटी ग्राफ एग्रीकल्चरल साइंस धारवाड में और दूसरा उदयपुर यूनिवर्सिटी उदयपुर मे । उस मे सुरती और महसानी दोनो नस्लो का सुधार होता है ।

श्री मोतीभाई ग्रार० चौधरी . महसानी, महसाना डिस्ट्रिक्ट मे बहुत है और बहुत ज्यादा दूध देती है और वहा पर इस के लिए अच्छा काम हो रहा है । तो फिर उदयपुर और धारवाड मे ही क्यो इस के लिए सेण्टर है । महसाना मे क्यो नही इसके लिए सेण्टर खोलते ?

MR SPEAKER He wanted to know whether Udaipur was not a part of it

SHRI SURJIT SINGH BARNALA There are two kinds of buffalo breeding centres We have two centres One is in Dharwar and the other is in Udaipur for improvement of this breed

SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI What is the quantity of buffalo meat that has been exported during this period?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Buffalo meat exported during 1976-77 is 8,290 tonnes

Allotment of Land to Marginal Farmers

*170 **SHRI M N GOVINDAN NAIR** Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state

(a) whether Government propose to allot surplus land to marginal farmers instead of landless agricultural workers,

(b) if so whether Government have directed all the State Governments to follow this policy, and

(c) if so the reason for such a shift in the Government policy?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA) (a) No Sir

(b) and (c) Do not arise

MR SPEAKER You have no supplementary Mr Govindan Nair?

DR SUBRAMANIAM SWAMY In marginal farmers' programme, they were not able to fulfil any of the projects stated because according to them the definition of marginal farmers had not been decided upon Could the hon Minister inform this House what is the definition of marginal farmers so that we can know in future how the programmes are implemented in their favour?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA Marginal farmer is a farmer who holds upto one hectare of land

SHRI CHITTA BASU May I know from the hon Minister whether the Government is contemplating that the holding of land by a farmer would be 3 acres minimum? Whether the Government is thinking of fixing 3 acres as the minimum holding for a farmer in the villages?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: In some cases it can be less than that even. But in so far as the land that has been distributed is concerned, the average comes to 1.5 acres only.

SHRI CHITTA BASU: But would you say that the Government has no proposal of fixing 3 acres for the minimum holding?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: We do not have any such idea of fixing just 3 acres. It can be slightly more and slightly less.

डा० सुशीला नायर : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या उन्हें मालूम है कि सैकड़ों, हजारों ऐसे लोग हैं जिन को पिछली सरकार ने जमीनें दी हैं और पट्टे उन के हाथ में है मगर उन को जमीन का कब्जा नहीं मिला है? उन के पास लगान के बड़े-बड़े बिल आते हैं जिन से परेशान हो कर वे भटक रहे हैं। मैं जानना चाहती हूं कि मंत्री महोदय इस बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने के लिए, सही मालूमात हासिल करने के लिए कोई कदम उठाएंगे या सिर्फ यह कह देंगे कि यह राज्य सरकारों का काम है और इस से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। यह नहीं होना चाहिए। मैं यह भी जानना चाहती हूं कि क्या यह भी उन को मालूम है कि क्या ऐसे केस भी हैं कि जिस जगह पर वे वर्षों से खेती करते आ रहे है और अपना पैसा लगा कर उन्होंने उस जमीन को अच्छा किया है लेकिन जब एलाटमेंट किया गया, तो वह जमीन उन को न दे कर, बिल्कुल खराब और बंजर जमीन उन को दी गई है। जो जमीन बिल्कुल खराब है, जिन पर वे गरीब खेती नहीं कर सकते हैं, क्या ऐसी चीजों को दुरुस्त करने का सरकार का इरादा है?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : ऐसा हमारे नोटिस में आया है कि कुछ जमीनें ऐसी हैं जो अलाट तो हो गयी हैं लेकिन उनके कब्जे अभी तक लोगों को नहीं मिले हैं। इस सब के लिए हम कोशिश कर रहे हैं। आप सुन कर हैरान होंगी कि सात साल के बाद मैंने लैण्ड रिफार्म्स की जो सेन्ट्रल कमेटी है उसकी मीटिंग बुलायी जिसमें सभी कसर्ड मिनिस्टर्स को भी बुलाया गया। सात साल के बाद यह पहली मीटिंग थी। उसमें मिनिस्टर्स से कहा गया कि हमारे नोटिस में आया है कि जमीनें अलाट तो हो गयी है लेकिन उनके कब्जे अभी तक नहीं दिये गये है जो कि उन्हें दिये जाने चाहिए। उनसे कुछ यह भी पता चला कि जो जमीनें अलाट हो गयी थी उनमें कुछ के कोर्ट से स्टे आर्डर हो गये। मैंने उन मिनिस्टर्स से दो-दिन तक इस बात पर डिस्कशन किया और कहा कि ऐसे केसिज में भी वे कोशिश करें कि लोगों को जल्दी से जल्दी जमीनों के कब्जे मिल जाए। (व्यवधान)

डा० सुशीला नायर : जो जमीनें खराब है जिन पर वे खेती नहीं कर सकते हैं ऐसी जमीनों को दुरुस्त करने का क्या सरकार का इरादा है?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : लोगों ने जो जमीनें सरप्लस दिखायी थी वे आम-तौर पर बहुत खराब जमीन थी। उनके इम्प्रूवमेंट का कोई प्रोविजन नहीं रखा गया था। हम कोशिश कर रहे है कि जो जमीनें खराब है, उनको इम्प्रूव करके बांटा जाए। अगर बिना इम्प्रूव किये दे दी जाती है उन बिचारों के पास इतना पैसा नहीं होता कि वे उन जमीनों को ठीक कर सकें। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं कि आगे से जमीनें इम्प्रूव करके दी जाए।

श्री लक्ष्मी नारायण नायक : क्या मंत्री जी बतायेंगे कि सारे देश के प्रान्तों में अभी काफी जमीन खेती के लिए पड़ी हुई है, इसके लिए क्या आप कोई समय निश्चित करेंगे

कि सभी प्रान्तो में ये जमीनें भूमिहीनों को दे दी जाए ? क्या आप सभी प्रान्तीय सरकारो को ऐसा आदेश देंगे कि एक निश्चित अवधि के भीतर जो भूमि पडी हुई है उसक पट्टे भूमिहीनो को दे दिये जावे ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : कोई निश्चित समय इसके लिए फिक्स नही किया जा सकता क्योंकि हरेक स्टेट के अलग-अलग कानून है। उन कानूनो के नीचे जो जमीनें सरप्लस होती है, उन्हे डिक्लेअर किया जाता है, फिर उन्हे अलाट किया जाता है। इसलिए काई डेट फिक्स नही कर सकते कि फला तारीख तक ये जमीने लोगो को दे दी जावें। (**व्यवधान**)

KUMARI ANANTHAN In certain parts of the country, lands allotted to the agricultural labourers who do not have lands, are mortgaged or sold and those landless labourers are again coming to towns and apply for sites

It is going on as a vicious circle Will the Government consider creating People's Forum in which these landless labourers as well as the unemployed graduates in Agriculture will be employed?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA No such proposal is under the consideration of the Government as yet

---

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

ग्रामीण क्षेत्रो में सम्पर्क मार्ग

*163. **श्री दया राम शाक्य** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या ग्रामीण क्षेत्रो मे सम्पर्क मार्गों के निर्माण के लिए केन्द्रीय बजट मे 20 करोड रुपये की व्यवस्था की गई है,

(ख) यदि हा, तो क्या सरकार इस राशि मे से बडा अश पिछडे क्षेत्रो के लिए आवंटित करने की सभावना पर विचार करेगी, और

(ग) गावो मे सडके बनाते समय किन-किन बातो को ध्यान मे रखा जायेगा और क्या सरकार का विचार धार्मिक स्थानो के लिए सडको की व्यवस्था करने का है ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) . (क) जी हा।

(ख) वर्ष 1977-78 के दौरान ग्रामीण सम्पर्क सडको के निर्माण हेतु राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्र के लिए निधिया आवंटित करते समय पिछडे राज्यो की आवश्यकताओ पर विचार किया गया है।

(ग) इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण सडको के निर्माण मे ध्यान मे रखे जाने वाली बातें ये हैं :—

(1) 1500 की आबादी वाले गाव अथवा गाव के समूह बाजार केन्द्रो/मुख्य सडको/रेलवे स्टेशनो मे जोडे जाते है

(2) नया कर्षित क्षेत्र की उत्पादन क्षमता विकसित होती है और इसकी अर्थ-व्यवस्था मे सुधार होता है,

(3) राज्यो के योग्य इन्जीनियरो के पर्यवेक्षण मे तकनीकी विनिर्देशन के अनुसार सडकें निर्मित की जाती है,

(4) निर्मित सडके सभी मौसमो के अनुकूल सडके है, और

(5) बनाई गई सडको का भविष्य मे उचित रूप से रख-रखाव किया जाता है।

यह योजना विशेष तौर पर धार्मिक स्थानो के लिए सम्पर्क मार्ग उपलब्ध नही करती है।